हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 41 | अलीगढ़, बुधवार, 29 नवम्बर 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रूपये

सिख पूरी दुनिया में छाये, पर मुगलों का कहीं अता-पता नहीं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुगलों और सिखों के बीच हुए संघर्ष की याद दिलाते हुए सोमवार को कहा कि आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता–पता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554 वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस उन्होंने कहा, ''सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि उस दौर में जब बड़े–बड़े राजा–महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिस देश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने कहा, खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनी। आज सिख

पूरी दुनिया में छाये हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता–पता नहीं है। ये सत्य और धर्म का रास्ता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाश देता है।

उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है और भारत ही नहीं पूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने कहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है, तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी।

उन्होंने कहा, ''जात–पात और अन्य संकीर्ण विचारों से मुक्त रहकर कार्य करने की प्रेरणा हमें गुरु नानक देव जी से मिलती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है और खालसा केवल एक पंथ नहीं है, यह देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु कृपा से निकला हुआ प्रकाश पुंज है। इसने विपरीत परिस्थितियों में भी विदेशी ताकत को झुकने के लिए मजबूर किया।

मुख्यमंत्री ने प्रेरित करते हुए कहा कि गुरु नानक जी द्वारा रखी गई इस नींव को और मजबूत करना हर सिख और हर भारतीय का दायित्व है और इसी में राष्ट्र की समृद्धि निहित है।

मुख्यमंत्री योगी ने कार्तिक पूर्णिमा पर दी प्रदेशवासियों को बधाई

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से लिखा, लोक–आस्था के पावन पर्व कार्तिक पूर्णिमा की प्रदेश वासियों एवं समस्त श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। भगवान श्री विष्णु एवं माँ गंगा की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो, चराचर जगत का कल्याण हो, यही प्रार्थना है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने गुरुनानक जयंती और देव दीपावली और की भी बधाई दी है। उन्होंने लिखा, महान संत, सिख पंथ के संस्थापक और प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटिशः नमन एवं सभी सिख बंधुओं, श्रद्धालुओं व प्रदेश वासियों को

हार्दिक बधाई। मानवता के कल्याण को समर्पित उनकी शिक्षाएं समतामूलक समाज की स्थापना की राह दिखाती हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश वासियों एवं सभी श्रद्धालुओं को पावन पर्व देव–दीपावली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। बाबा श्री विश्वनाथ की कृपा और माँ गंगा के आशीर्वाद से यह दिव्य पर्व सभी के जीवन को आशा, उत्साह, आस्था, आरोग्यता और सद्भावना के आलोक से आलोकित करे, यही अभिलाषा है।

यूपी में राज्यसभा और विधानपरिषद की 23 सीटें होंगी खाली,बीजेपी राज्यसभा में जीत सकती है 9 सीटें, वहीं सपा गठबंधन के पाले में जा सकती हैं 4 सीटें

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यसभा कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 में खत्म हो रहा है। विधान परिषद की 13 सीटों का कार्यकाल 5 मई 2024 को समाप्त हो जाएगा। इन सीटों पर यूपी में बीजेपी और सपा के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों पार्टियों के दिग्गजों ने समीकरण बैठाना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य बनने के लिए एक एमएलसी पर 29 विधायकों के वोट की जरूरत होती है। अब यूपी में 2022 विधानसभा चुनाव के बाद हालात बदल गए हैं। विधानसभा में सपा के पास आरएलडी समेत 118 विधायक हैं। इनमें 109 सपा के और 9 विधायक रालोद के हैं। जबकि एनडीए गठबंधन के पास 279 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 254, अपना दल (एस) के 13, निषाद पार्टी के 6 और सुभासपा के 6 विधायक शामिल हैं। जबकि कांग्रेस के दो, बसपा का एक और जनसत्ता दल के दो विधायक हैं। ये दल जिसे समर्थन देंगे उससे समीकरण बदल भी सकते हैं। फिलहाल अब तक के आंकड़ों के हिसाब से बीजेपी कम से कम 9 एमएलसी की सीटें जीत सकती है, जबकि सपा गठबंधन के खाते में 4 सीटें जा सकती हैं।

इसका सपा को एक बड़ा फायदा ये होगा कि विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के लिए सपा की दावेदारी हो जाएगा। अभी उसके पास 9 सदस्य हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष के लिए 1ध्10 सदस्य के मानक से वह एक सीट कम है। यूपी राज्यसभा कोटे में भाजपा के पास 10 से 9 सीटें हैं। इन पर अनिल अग्रवाल, अशोक बाजपेयी, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांश त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव सदस्य हैं। यूपी विधान परिषद की 13 सीटें 5 मई को खाली हो रही है, ऐसे में केंद्र के साथ–साथ अपने एमएलसी बनाने के लिए भी सियासी जोड़ घटाना शुरू हो गया है। मई महीने में विधान परिषद की जो 13 सीटें खाली हो रही हैं, उनमें से बीजेपी के पास 10, सहयोगी अपना दल के पास 1 सीट है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के पास 1–1 सीट है। इन सीटों पर पांच मई से पहले चुनाव कराया जाना है। भाजपा के विधान परिषद के सदस्य यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान के कार्यकाल पूरे हो रहे हैं। वहीं अपना दल (एस) से आशीष पटेल का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है। सपा से नरेश उत्तम का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है।

केजरीवाल पर भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का लगाया आरोप

नयी दिल्ली । भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जल्द ही जेल के सलाखों के पीछे जाने का दावा किया है।

भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि शराब घोटाले, डीटीसी बस घोटाले, क्लास रूम घोटाले और शीशमहल घोटाले के बाद अब दिल्ली जल बोर्ड में भी घोटाला सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के पीएचडी होल्डर केजरीवाल इन सब घोटालों के किंगपिन हैं। लेकिन अगर उन्हें लगता है कि वह संवैधानिक पद पर बैठकर घोटाले पर घोटाला करते रहेंगे और जांच एजेंसी चुप रहेगी, तो ऐसा नहीं होगा। केजरीवाल को इस गुमान में नहीं रहना चाहिए और वह दिन दूर नहीं है जब अपने तमाम भ्रष्टाचार के लिए अरविंद केजरीवाल भी सजा पाएंगे और जेल की सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की भी मांग की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार, बेईमानी, घोटालों, कमीशनखोरी और लूट–खसोट का देश में कोई विशेषज्ञ नेता है, तो वो आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हैं।

दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को 2 कैटेगरी में बांटा गया। पहली कैटेगरी में केवल अपग्रेडेशन होना था और दूसरी कैटेगरी में क्षमता बढ़ाने का काम होना था। 2022 में दिल्ली जल बोर्ड ने इसके ठेके दिए, जिनकी कुल वैल्यू 1,938 करोड़ रुपये के आसपास थी जबकि इसकी अनुमानित लागत सिर्फ 1,500 करोड़ रुपए थी, इसका सीधा मतलब है कि इसमें इनके द्वारा स्वयं लगवाए गए एस्टीमेट में 30 प्रतिशत की वृद्धि कर के ठेके दिए गए। उन्होंने कहा कि इन 10 प्रोजेक्ट के लिए 10 डीपीआर बननी थी, लेकिन दो ही बनवाए गए और इसे सभी 10 पर लागू कर दिया गया और इस तरह से मूल्यांकन बढ़ा कर और अपने लोगों को ठेका देकर 450–500 करोड़ रुपये के आसपास का यह घोटाला किया गया। भाटिया ने बीआरएस और कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का भी उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन्हें भारत के संविधान से कोई मतलब नहीं है, ये लोकतंत्र की हत्यारी पार्टियां हैं।

शशि थरूर ने की पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की वकालत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने माइक्रोसॉफ्ट के सह–संस्थापक बिल गेट्स और इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति द्वारा कार्य सप्ताहों पर की गई टिप्पणियों पर तंज कसते हुए कहा कि अगर दोनों कोई समझौता करते हैं, तो हम पांच दिन का कार्य सप्ताह के साथ समाप्त हो जाएंगे। मूर्ति ने हाल ही में सुझाव दिया कि देश की उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए भारत के युवाओं को हर हफ्ते 70 घंटे काम करना चाहिए, जबकि गेट्स ने कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल नौकरी करना नहीं है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण तीन दिन का कार्य सप्ताह संभव है।

इन विभिन्न दृष्टिकोणों को अपनाते हुए, थरूर ने रविवार को एक्स पर पोस्ट किया, षबिलगेट्स का कहना है कि तीन दिवसीय कार्य–सप्ताह संभव होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, यदि गेट्स और नारायण मूर्ति एक साथ बैठते हैं और समझौता करते हैं, तो हम पांच–दिवसीय कार्य सप्ताह के परिणाम पर पहुंचेंगे। ऑनलाइन साझा किए इस पोस्ष्ट को 2.5 लाख से अधिक बार देखा गया। एक यूजर ने लिखा, यह हममें से प्रत्येक को तय करना है कि जीने और जितना चाहें उतना बढ़ने के लिए कितना काम करना है। वे भगवान नहीं हैं, वे हमारी तरह अपनी राय रख सकते हैं। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा, हाहाहा, और यदि एलन मस्ष्क उनके साथ जुड़ जाते हैं, तो औसत सप्ताह 10 दिन तक हो सकता है।

एक और यूजर ने कहा, बेशक, समाज में कुछ और चीजें भी हैं, बदलाव की जरूरत है, काम के दिनों की नहीं, ऐसी महान शख्सियतों को कुछ और सकारात्मकता पर काम करना चाहिए। इस बीच, मूर्ति की टिप्पणी से सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया। जबकि कुछ लोग मूर्ति से सहमत हैं, अधिकांश लोग इस तरह के कठिन कार्य शेड्यूल के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों के बारे में सशंकित और चिंतित हैं।

धुंध की चादर में डूबी दिल्ली, कई स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में

नयी दिल्ली (एजेंसी)।सोमवार की सुबह दिल्ली में स्मॉग छाया रहा, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के कई निगरानी स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में आ गई।

सीपीसीबी के अनुसार, आनंद विहार स्टेशन पीएम 10 421 और पीएम 2.5 के साथ गंभीर श्रेणी में था, जबकि ओजोन मध्यम श्रेणी में 190 तक गिर गया और सीओ 95, संतोषजनक स्तर पर था।

बवाना स्टेशन पर पीएम 2.5 432 पर पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में है और पीएम 10 366 पर है, जो बहुत खराब श्रेणी में है, जबकि ओजोन मध्यम श्रेणी में 190 तक गिर गया और सीओ 95, संतोषजनक स्तर पर था।

द्वारका सेक्टर–8 स्टेशन में पीएम 2.5 425 पर पहुंच गया और पीएम 10 405 पर, दोनों गंभीर श्रेणी में जबकि सीओ 110 पर, मध्यम स्तर पर था। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे टी3 क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब थी, पीएम 2.5 372 और पीएम 10 316 दर्ज किया गया, जबकि सीओ 111 पर गिरकर श्मध्यमश श्रेणी में आ गया और एनओ2 20 पर, अच्छे स्तर पर था। आईटीओ स्टेशन पर, पीएम 2.5 गिरकर 500 पर और पीएम 10 435 पर था, दोनों गंभीर श्रेणी में थे, जबकि एनओ2 290 पर पहुंच गया, जो खराब श्रेणी में था। जहांगीरपुरी में पीएम 2.5 451 दर्ज किया गया और पीएम 10 435 तक पहुंच गया, जो दोनों को गंभीर श्रेणी में रखता है।

यहां कार्बन मोनोऑक्साइड 82 पर संतोषजनक स्तर पर और एनओ2 18

पर अच्छी श्रेणी में था। ओखला फेज–2 में पीएम 2.5 427 दर्ज किया गया, जबकि पीएम 10 418 तक पहुंच गया, जो दोनों को श्गंभीरश श्रेणी में रखता है। एनओ2 मध्यम श्रेणी में 107 पर पहुंच गया और सीओ संतोषजनक स्तर पर 92 पर था। विशेष रूप से, शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 मध्यम, 201 और 300 के बीच श्खराबश, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

तेलंगाना की बीआरएस सरकार को बड़ा झटका, इलेक्शन आयोग ने रायथु बंधु योजना की किस्त जारी करने की अनुमति वापस ली

हैदराबाद(एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को रायथु बंधु योजना के तहत रबी फसलों के लिए किसानों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की किस्त बांटने के लिए तेलंगाना सरकार को दी गयी अनुमति वापस ले ली। आयोग ने राज्य के वित्त मंत्री टी. हरीश राव द्वारा इसे लेकर सार्वजनिक घोषणा करने के बाद यह फैसला लिया क्योंकि यह आचार संहिता का उल्लंघन है। निर्वाचन आयोग ने राज्य में भारत राष्ट्र समिति की सरकार को कुछ आधार पर आचार संहिता की अवधि के दौरान रबी फसलों के लिए किसानों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की किस्त का भुगतान करने की मंजूरी दी थी। सरकार को आचार संहिता के दौरान इसे लेकर प्रचार नहीं करने के लिए भी कहा गया था। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को लिखे पत्र में कहा, आयोग ने पाया है कि तेलंगाना सरकार के वित्त और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी. हरीश राव ने न केवल एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) के प्रावधानों का उल्लंघन किया है बल्कि इसका प्रचार कर उपरोक्त शर्तों को भी तोड़ा है।

इसमें राज्य में चल रही चुनाव प्रक्रिया में विभिन्न दलों के लिए समान अवसर को भी बाधित किया गया है। निर्वाचन आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को अपने, अनुमति वापस लेने के फैसले के बारे में सूचित किया। वित्त मंत्री ने किस्तों का भुगतान जारी करने के बारे में सार्वजनिक घोषणा की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था, षकिस्त सोमवार को दी जाएगी। किसानों का चाय–नाश्ता खत्म होने से पहले ही उनके खाते में राशि जमा हो जाएगी। निर्वाचन आयोग ने सीईओ से उसका फैसला राज्य सरकार को बताने और अनुपालन रिपोर्ट सोमवार दोपहर तीन बजे तक आयोग को सौंपने के लिए कहा है। पत्र में कहा गया है ''आयोग यह निर्देश देता है कि 25 नवंबर 2023 की तारीख वाले पत्र में रबी फसलों के लिए किसानों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की किस्त जारी करने के लिए दी गई अनुमति तत्काल प्रभाव से वापस ली जाए ।

महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

छत्रपति(एजेंसी)। संभाजीनगर महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान बिजली एवं ओलावृष्टि के साथ बेमौसम बारिश से रबी की खड़ी फसलें, सब्जियां और बागवानी भूमि को नुकसान पहुंचा है। छत्रपति संभाजीनगर जिले में कई स्थानों पर रविवार रात में बारिश हुयी। खुलताबाद, सोयगांव, सिल्लोड, फुलंब्री, पैठन, गंगापुर और वैजापुर तालुका में भी तेज बारिश हुई। नांदेड़, बीड और हिंगोली जिलों में भी सोमवार सुबह से ही गरज के साथ बारिश होने की रिपोर्टें हैं। जालना शहर सहित जिले के कुछ हिस्सों में गरज के साथ मध्यम बारिश हुयी, हालांकि यह बारिश रब्बी ज्वार और चने की फसलों के लिए पौष्टिक है, लेकिन अरहर की फसल को नुकसान पहुंच सकता है।नासिक शहर और जिले में रविवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुयी।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है।सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है – हमारे घरों के छोटे–छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता–पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता–पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है।अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नही है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार–तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नही अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुर्गुणों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें।

आज का राशि फल

मेष :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

धनु :–महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

सुरंग में जीवन, तो आसमां में छवि की तलाश

जया

ऐसे वक्त में जब उत्तरकाशी स्थित सिल्क्यारा की धसकी हुई सुरंग में 14 दिनों से 41 मजदूर फंसे पड़े हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गगन में लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भर रहे हैं। पिछले करीब एक हफ्ते से लग रहा था कि अंधेरी सुरंग में मजदूर कभी भी बाहर आ सकते हैं, लेकिन हर गुजरता दिन बेनतीजा साबित हो रहा है। इन सबसे बेपरवाह मोदी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। एक राज्य से निकलकर दूसरे राज्य में चुनावी रैलियों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान में गुरुवार की शाम को प्रचार अभियान थमने के तुरन्त बाद मोदी मथुरा पहुंचे जहां उन्होंने ब्रज रज उत्सव के नाम से आयोजित मीरा जन्मोत्सव में हिस्सा लिया। फिर वे शुक्रवार की अल्लसुबह कृष्णजन्मभूमि में उस स्थान पर भगवा वस्त्र धारण कर पहुंचे जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। शनिवार को सुरंग में बचाव अभियान इसलिये रुक गया क्योंकि ड्रिलिंग के दौरान ऑगर मशीन की ब्लेड सरियों से टकराकर टूट गई। अब मलबे को हाथ से हटाये जाने की तैयारी है और मजदूरों को बाहर का सूरज देखने के लिये अभी इंतजार करना पड़ सकता है। यह विडंबना ही है कि बचाव अभियान की समीक्षा करने या मजदूरों की खोज–खबर लेने या फिर इस बाबत कोई बात करने की बजाये पीएम की वरीयता लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भरने की है। वैसे मोदी नामक फिनोमिना में यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं रह गयी है क्योंकि देश उन्हें पिछले तकरीबन साढ़े नौ वर्षों से यही सब करता हुआ देख रहा है। उनके इस कार्यकाल में अनगिनत घटनाएं ऐसी हुई हैं जिनमें प्रधानमंत्री उन्हें नजरंदाज कर या आवश्यक कार्रवाई न कर गैरजरूरी काम करते हुए दिखे हैं। छोटी–मोटी घटनाओं को एक तरफ कर दें तो 20 जवानों को लील लेने वाले पुलवामा में सीआरपीएफ की टुकड़ी पर आतंकी हमला होने के बावजूद

मोदी वन्य जीवन पर शूटिंग करने में व्यस्त थे। जम्मू–कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कई बार उनसे बात करने की कोशिश की लेकिन वे संचार प्रणाली की पहुंच से बाहर थे। शाम को जब उनसे बात हुई भी तो मोदी ने उनसे चुप रहने के लिये कहा। मणिपुर में उन्हें जाने का कभी भी समय नहीं मिला जो हिंदू मैतेई एवं ईसाई कुकी सम्प्रदायों के परस्पर टकराव से जल रहा है। लगभग आठ महीनों में वहां अनेक हत्याएं हुई हैं। अब भी जारी हैं। हजारों मकान जल गये हैं, बड़ी तादाद में लोग शरणार्थी शिविरों में बसर कर रहे हैं। तो भी वहां जाना तो दूर की बात है, मोदी ने इस बाबत मुंह से तब तक एक शब्द भी नहीं निकाला जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह चेतावनी नहीं दे दी कि अगर वह कुछ नहीं करती तो शीर्ष न्यायालय ही कोई कदम उठायेगा। जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें प्रचार के दौरान मोदी ने मुद्दों पर कम बात की और विरोधी दलों के नेताओं पर व्यक्तिगत हमले और उनकी छवि को धूमिल करने के ही अधिक प्रयास किये। मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं–सोनिया–राहुल–प्रियंका गांधी तथा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर मोदी अपने खास सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं स्टार प्रचारकों के साथ विशेष आक्रामक रहे हैं। उनकी छवि पर बड़े हमलों का कारण यह भी है कि मोदी की अपनी छवि लगातार दरक रही है। सिलसिलेवार प्रशासनिक असफलताओं के कारण अब उनकी योग्यता पर सवाल उठने लगे हैं। इनके चलते, प्रमुख प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, जहां मतदान हो चुका है उन सभी में भाजपा की पराजयों के अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं। तीनों राज्यों में स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार कर दिया गया है और चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़ा गया है। ऐसे में आने वाले समय में मोदी की छवि के पूर्णतः ध्वस्त होने की भी पूरी सम्भावना बताई जा रही है।

इन तमाम परिस्थितियों में मोदी को अपनी छवि को दुरुस्त करने और नये सिरे से निखारने की जरूरत है। तेजस के कॉकपिट में बैठकर शून्य में मोदी न जाने किसे हाथ लहरा रहे हैं, लेकिन यह बात तो साफ है कि वे अपनी छवि को नयी ऊंचाइयां देने के लिये संघर्षरत हैं जिसे उन्हें अगले वर्ष के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों तक संजोकर रखना होगा। ऐसा न होने पर चुनाव जीतने की बात तो दूर है, उनकी दावेदारी तक को स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसलिये मोदी को क्रिकेट विश्व कप का अंतिम मुकाबला उन्हीं के नाम पर बने अहमदाबाद के स्टेडियम में कराना पड़ता है जबकि ऐसे आयोजनों के लिये मुम्बई का वानखेड़े या कोलकाता का ईडन गार्डन स्टेडियम अपनी ऐतिहासिकता और खेल सन्दर्भों के कारण कहीं अधिक मुफीद माना जाता है। जैसा कि अब खुलासा हुआ है, विश्व कप जीतने पर ट्रॉफी के साथ मोदी की राजस्थान में भव्य यात्रा निकालने की योजना थी ताकि उसका सियासी लाभ लिया जा सके, लेकिन जिस जीत का श्रेय वे लेना चाहते थे, वह मुकाबला भारत हार गया और वे जनता से मिले नये नाम श्पनौतीश को खुद पर चस्पां कर स्टेडियम से बाहर निकले। उनका गुस्सा निर्वाचन आयोग के जरिये राहुल को जारी नोटिस से निकला। बहरहाल, तेलंगाना को छोड़कर, जहां प्रचार मंगलवार को थम जायेगा, सभी जगहों पर (उपरोक्त के अलावा मिजोरम भी) मतदान हो गया है। इसके मद्देनजर मोदी के पास एक और डबल इंजिन वाले राज्य उत्तराखंड की सुरंग में फंसी 41 जिंदगियों के लिये चिंता करने का समय नहीं है। उन्हें आकाश में उड़ान भरकर पहले अपनी छवि को गगनचुंबी बनाना है।

मध्यम कद के शहरों का स्मार्ट सिटी में परिवर्तन

संजीव ठाकुर

बड़े विदेशी शहरों के अनुरूप भारत में भी ऐसे बड़े शहरों की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके। ऐसे शहरों को स्मार्ट सिटी का नाम दिया जा रहा हैस जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकेस और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे–बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके।, आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया हैस पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के मेट्रोपॉलिटन शहरों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती हैस यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी,भोजन,घर आदि की उपलब्धता के साथ–साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा,शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही

की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान–प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाईयों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा ।इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा। देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा ।परंतु इस नई परियोजना को मूर्त रूप देने में कई विघ्न बाधाएं एवं चुनौतियां भी हैं। जनता निर्विवाद रूप से कठिनाइयों से निपटने के बाद ही सपनों के शहर को बस बसाना आसान होगा। इन प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग देकर अपना योगदान दें, तो निश्चय ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्मित हो सकेगी ।और आम नागरिकों को जन सुविधाओं के साथ भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा।

लोकतंत्र बनाम लोभतंत्र

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में लोकलुभावने वायदों और गारंटियों का जो कोलाहल सुना जा रहा है, वह कालांतर देश के आर्थिक अनुशासन व योग्य जनप्रतिनिधियों के चयन के लिये एक चुनौती बन सकता है। इसमें दो राय नहीं कि सामाजिक न्याय के लिये समावेशी विकास वक्त की जरूरत है, लेकिन यह जुमलों से परे कमजोर वर्गों के स्थायी कल्याण के लिये होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि रेवड़िया बांटने का खेल देश में पहले नहीं होता था, लेकिन आज जिस पैमाने पर हो रहा है, वह हर देशभक्त की चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं, मुफ्त की गारंटियों का यह खेल जवाबदेह प्रशासन व आर्थिक स्थिरता पर कालांतर गहरी चोट करेगा। वहीं ये गतिविधियां एक जिम्मेदार लोकतंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। यह विडंबना है कि लोग जनप्रतिनिधि की योग्यता की प्राथमिकता को दरकिनार करके संकीर्ण सोच के लाभों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इस दूषित परंपरा से राजनेताओं और जनता का प्रलोभन विस्तार ले रहा है। यह टकसाली सत्य है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से हमारी अर्थव्यवस्था व विवेकशील सुशासन पर घातक असर पड़ता है। अंततरू रेवड़ी संस्कृति का आर्थिक दबाव सरकारी संसाधनों पर पड़ता है। राज्यों के आर्थिक संसाधन सीमित हैं। ऐसे में बांटा गया धन कालांतर हमारे बुनियादी ढांचे व विकास परियोजनाओं के लिये निर्धारित धन में कटौती करता है। निश्चित रूप से समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक संबल दिया जाना चाहिए। लेकिन जरूरत ठोस आर्थिक विकास व रोजगार के अवसर सृजन की होनी चाहिए। वक्त की जरूरत है कि मतदाताओं को लालीपॉप देने के बजाय उन्हें ऐसे अवसर दिये जाने चाहिए ताकि वे कालांतर आत्मनिर्भर बन सकें। फिर वे देश के आर्थिक विकास में स्थायी योगदान दें। लेकिन इस तरह मुफ्त की योजनाओं और गारंटियों से सिर्फ हमारा राजकोषीय घाटा ही बढ़ेगा। मतदाता यदि किसी राजनीतिक दल की दूरगामी नीतियों व विकास योजनाओं को नजरअंदाज करके तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देगा तो भविष्य में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। मतदाता का लोभ हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी संकट में डालता है। जाहिर बात है कि मुफ्तखोरी की संस्कृति के बूते सत्ता में आने वाला नेता कालांतर सरकारी संसाधनों के दोहन को अपनी प्राथमिकता बनायेगा। जो धन उसने चुनाव के दौरान बांटा है उसका कई गुना येन–केन–प्रकारेण वसूलेगा। जिससे लोकतंत्र में लूटतंत्र की मानसिकता को प्रोत्साहन मिल सकता है। सही मायनों में मुफ्त के उपहारों की हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विफलता है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हम अपने लोकतंत्र को इतना सजग व समृद्ध नहीं बना पाये कि मतदाता अपने विवेक से अपना दूरगामी भला–बुरा सोचकर मतदान कर सके। अतीत के अनुभव बताते हैं कि जिस भी राज्य ने मुफ्त खाद्यान्न,पानी, बिजली व सब्सिडी बांटी है उसकी अर्थव्यवस्था भविष्य में चरमराई ही है। सही मायनों में मुफ्त कुछ नहीं होता, वह करदाताओं की पसीने की कमाई से पैदा होता है। देश को कल्याणकारी नीतियों की जरूरत है,लेकिन वह आर्थिक अनुशासन और राजकोषीय विवेक पर आधारित होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरे

रूपये दोगुना करने की लालच देकर लाखों की ठगी,आरोपी पैसा लेकर फरार

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में ठगों ने एक युवक को एक ही दिन में रूपये दोगुना करने का लालच देकर लाखों रूपये की ठगी कर फरार हो गया। ठगों के काफी देर वापस न आने पर युवक को उसके साथ ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़ित ने सरोजनीनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया हैं। उन्नाव

के भाऊमऊ थाना असोहा निवासी धर्मेन्द्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके परिचित सूरज चौधरी निवासी रापरा सरौरा थाना सैरपुर लखनऊ ने बताया कि रुपया खर्च करने पर उसे उसी दिन दोगुना रुपया वापस कर दिया जायेगा। सूरज चौधरी के कहने पर वह बीती रविवार को अपने दोस्त शुभम भारती निवासी मौरांवा रोड मोहनलालगंज के साथ तीन लाख रूपये लेकर ट्रांसपोर्ट नगर जेगुआर शोरूम के पीछे एक चाय की दुकान पर पहुंचा। जहां सूरज चौधरी के बताए अनुसार वहां पर रमेश निवासी अम्बेडकरनगर व एक अन्य व्यक्ति नाम पता अज्ञात सफेद रंग की स्कॉर्पियों गाड़ी (न्च 45 त 1400) से आए और उससे पूछा कितने पैसे लेकर आए हो। जिस पर उसने तीन लाख रुपये लेकर आने की बात कही। इसके बाद रमेश व अन्य व्यक्ति ने उनसे 3 लाख रुपये ले लिया। इसके बाद कहा कि आप यही बैठो आप को कुछ देर में रुपये दोगुना कर के देते है। वो दोनों स्कार्पियों गाड़ी लेकर वहां से चले गये। धर्मेंद्र और शुभम काफी देर तक उन लोगों का इंतजार करते रहे। लेकिन एचवे लोग न तो वापस आये न ही उनका फोन मिल रहा है। ठगी का एहसाए होने पर सरोजनीनगर कोतवाली पहुंचकर ठगों के खिलाफ तहरीर दी हैं। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर शैलेंद्र गिरी ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत पर सूरज चौधरी, रमेश और एक अज्ञात व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही हैं।

भाजपा ने बढवाये सवा दो लाख मतदाता घर-घर पहुंचे मंत्री, विधायक और सांसद

लखनऊ(संवाददाता)। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत 25—26 नवंबर को चलाए गए विशेष अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने करीब सवा दो लाख नए मतदाता बनाने के आवेदन पत्र भरवाए हैं। मंत्री, विध ाायक और सांसदों के साथ तमाम बड़े पदाधिकारियों ने मतदाता बढ़ाने के लिए घर घर दस्तक दी। भाजपा मुख्यालय को मिली सूचना केमुताबिक दो दिन में नए मतदाता बनवाने, नाम और पते में संशोधन के अधिक आवेदन पत्र भरवाए गए हैं। पार्टी ने संदिग्ध मतदाताओं के नाम हटवाने पर भी पूरा जोर दिया है। जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को वोटर चेतना अभियान की फोटो एप पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। तभी सक्रियता मानी जाएगी। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने जिलाध्यक्षों से संवाद कर अभियान की मॉनिटरिंग की। मतदान केंद्र मतदाता की पहुंच से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। बताया गया है कि वोटर चेतना अभियान के जरिये चार से पांच प्रतिशत मतदाता बढ़ाने पर जोर है। उनका मानना है कि यदि इतने मतदाता बढ़ गए तो लोकसभा चुनाव में मिशन 80 का लक्ष्य आसान होगा। भाजपा की बूथ कमेटियों ने प्रत्येक बूथ पर विशेष शिविर में मिले आवेदन पत्रों से एक एक आवेदक का नाम, पता, मोबाइल नंबर जुटाया है। बूथ कमेटी के सदस्य आवेदकों से लगातार संपर्क और समन्वय करेंगे।

बीएचडब्लू एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए धनंजय तिवारी

लखनऊ(संवाददाता)। बेसिक हेल्थ वर्कर एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू युवा केंद्र चौक लखनऊ में संपन्न हुआ, जिसमें प्रत्येक जिले से प्रतिनिधियों ने चुनाव में भाग लिया। चुनाव में धनंजय तिवारी अध्यक्ष पद पर छठी बार निर्विरोध चुने गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त निदेशक परिवार कल्याण महानिदेशालय लखनऊ, महासचिव प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ उत्तर प्रदेश डॉ अमित सिंह शासन के प्रतिनिध ि के रूप में वेद प्रकाश राय उपसचिव चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण लखनऊ, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष सुरेश रावत एवं चुनाव अधिकारी के रूप में यादवेंद्र मिश्रा पूर्व अध्यक्ष सचिवालय संघ एवं सुनील यादव अध्यक्ष फार्मासिस्ट फेडरेशन शामिल रहे। प्रथम सत्र में संघ की मांगों पर चर्चा करते हुए अतिथियों ने कहा कि बी एच डब्लू संवर्ग में एक पद पर दो वेतन, दो पदों का एक वेतन बिल्कुल ही न्यायसंगत नहीं है, इसे दूर कराने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने निर्विरोध निर्वाचन करते हुए धनंजय तिवारी को अध्यक्ष और महामंत्री के रूप में शिवसागर शुक्ला को चुना। अशोक श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह गौर उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव संगठन मंत्री जय नारायण सेन कोषाध्यक्ष प्रशांत दीक्षित ऑडिटर चुने गए।

निर्वाचित पदाधिकारियों को फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए जनहित में बिना भेदभाव संघ के संविधान के अनुरूप एकजुट रहकर संघर्ष करने का आह्वान किया। धनन्जय तिवारी ने कि कर्मचारियों की लड़ाई ईमानदारी और वफादारी से लड़ी जाएगी। उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्वाचित अध्यक्ष धनंजय तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और अपने दायित्व के निर्वहन का आश्वासन दिया।

वीपी सिंह ने दिलाया दलित पिछड़ों और वंचितों को हक, लागू की मंडल कमीशन की रिपोर्ट : अशोक

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय किसान मंच ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. विश्वनाथ प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जिसमें राष्ट्रीय जनता दल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध यक्ष अशोक सिंह एवं किसान मंच के अध्यक्ष शेखर दीक्षित मौजूद रहे।इस मौके पर मुख्य अतिथि अशोक सिंह ने स्वर्गीय विश्वनाथ प्रताप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री सिंह ने कहा कि विश्वनाथ प्रताप सिंह ने दलित पिछड़ों किसानों मजदूरों और वंचितों को न्याय दिलाने के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू किया और अपनी सरकार कुर्बान कर दिया । दलितों पिछड़ो और वंचितों को हक दिलाया। ऐसे मसीहा को हम सच्ची श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुष बार—बार नहीं पैदा होते इसलिए हम सबका कर्तव्य बनता है कि उनके बताए रास्ते पर चलकर और गरीबों वंचितों पिछड़ों दलितों की लड़ाई लड़ते हुए उनके सपनों को साकार करें। श्री सिंह ने कहा कि संसद भवन में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की फोटो लगाने का कार्य बीपी सिंह ने किया था। सबसे पीछे बैठे व्यक्ति को अग्रिम पंक्ति पर बैठाने का कार्य किया।

शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक हुई,सत्र संचालन का एजेंडा किया गया तय

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की 28 नवंबर से शुरुआत होगी। विध ाानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इसमें योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा सरकार के सहयोगी दल और विपक्षी दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। 28 नवंबर से शुरू होने वाले विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर विधानसभा सत्र संचालन का एजेंडा भी तय किया गया। वही आज सर्वदलीय बैठक मे कांग्रेस और बसपा कक्ष की मांग की। दरअसल विधानभवन मे बसपा और कांग्रेस के कार्यालय कक्ष खत्म कर केबिन अलार्ट किया है जोकि सदस्य संख्या के हिसाब से मिला है।विधानसभा मे कांग्रेस के दो और बसपा का एक सदस्य है। इस बार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में योगी सरकार वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी। जोकि इस साल के वित्तीय वर्ष के लिए पहला अनुपूरक बजट होगा।

अनुपूरक बजट के माध्यम से यूपी सरकार अपनी कई परियोजनाओं को साकार कर जनता का विश्वास जीतने की बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर सरकार अनुपूरक बजट के माध्यम से संसाधनों का इंतजाम भी करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले योगी सरकार प्रदेश वासियों को बड़ी सौगात देने की तैयारी में है यही कारण है की योगी सरकार शीतकालीन सत्र में अब तक का सबसे बड़ा अनुपूरक बजट पेश करेगी यह बजट तकरीबन 43 हजार करोड़ से ज्यादा का होगा। अनुपूरक बजट के जरिए योगी सरकार प्रदेश

के विकास कार्यों को गति देगी। जिसमें तीर्थ विकास परिषद, राज्य राजधानी क्षेत्र के साथ ही दो नए लिंक एक्सप्रेस वे के लिए भी धन की व्यवस्था के साथ ही पांच एक्सप्रेस वे के दोनों किनारों पर तीस औद्योगिक गलियरों के लिए और अयोध्या के विकास और गन्ना के बकाया भुगतान के लिए स्पेशल पैकेज की व्यवस्था की जाएगी। चालू वित्तीय वर्ष के लिए योगी सरकार ने 6,90,242.43 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था कर रखी है। पिछला अनुपूरक बजट 33768 हजार करोड़ रुपये का था। लेकिन इस बार योगी सरकार जो बजट पेश करने की तैयारी में है वह इससे लगभग 9 हजार करोड़ से भी ज्यादा का होगा।

29 नवंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में योगी सरकार इस बार कई अध्यादेश भी पेश करेगी जिसमें उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (छठवां संशोधन) अध्यादेश तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश,उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश है। अध्यादेशों के अलावा अयोध्या तीर्थ विकास परिषद, देवीपाटन धाम और शुक्र तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद आदि से संबंधित बजट व्यवस्था के साथ ही विधेयक भी पारित कराए जाएंगे।

दिल्ली की जंग की पटकथा लिखेंगे पांच राज्यों के चुनाव नतीजे ! लोकसभा चुनाव को लेकर तेज हो जायेंगी गतिविधियां

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा चुनाव में बहुत ज्यादा समय नही बाकी है, इसलिए सभी सियासी पार्टियां अपनी रणनीति पर काम शुरू कर चुकी हैं। लेकिन मिशन 2024 को लेकर गतिविधियों और समीकरणों के बनने, बिगड़ने और बदलने का क्रम पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद तेज हो जायेगा।चुनाव भले ही असेम्बली के हुए हैं लेकिन इनके परिणाम दिल्ली की जंग की पटकथा लिखने वाले हैं। श्एनडीएश बनाम श्इंडियाश की जंग में कौन किसके साथ होगा, यह भी तय हो जायेगा।अभी तो पक्ष ही नही विपक्ष के बयानों से भी कुछ साफ नही है। तल्ख टिप्पणी का दौर कम नही हो रहा है लेकिन राजनीति में कुछ भी हो सकता है।जो आलोचना करते थकता नही,यार बन सकता है और जो कसीदे पढ़ रहा है पलक झपकते ही दूसरे खेमे में जा ध ्मके। पांच राज्यों के चुनाव निपटने से पहले ही लोकसभा चुनाव के लिए दांव—पेंच शुरू हो चुके हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया में क्षेत्रीय दलों ने लामबंदी की कवायद शुरू कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कल रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई पहुंच गए, जहां वे पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के प्रतिमा अनावरण समारोह में वे विशिष्ट अतिथि रहे। डीएमके नेता और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के साथ सियासी चर्चा जरूर की होगी। अखिलेश पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से भी मुलाकात कभी भी हो सकती है।ममता बनर्जी का अखिलेश यादव के प्रति हमेशा से साफ्ट कार्नर रहा है, ऐसा देखा गया है।इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा इन राज्यों के चुनाव परिणामों पर भी निर्भर करेगा। स्वाभाविक है कि कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहने पर अधिक सीटों के लिए दबाव होगा। अन्य दल बाद चुनाव परिणाम विश्लेषण सीट चाहेंगे।मध्य प्रदेश के चुनाव में सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख हुए, उसका असर यूपी की लोकसभा सीटों के बंटवारे पर पड़ सकता है। सपा सूत्रों के मुताबिक सीटों की साझेदारी के पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। चाहे वह कांग्रेस के साथ रहा हो या फिर बसपा के साथ। क्षेत्रीय दलों को गठबंधन राजनीति का एक खतरा अपना वोट बैंक खिसकने का भी रहता है। इसका उदाहरण कम्युनिस्ट पार्टियां हैं, जो 60 व 70 के दशक में लोकसभा की 4—5 सीटें जीतती थीं, लेकिन 1989 में जनता दल के साथ गठबंधन में गईं और उनका वजूद खत्म। गठबंधन के खतरे राजनीतिक दल बेहतर समझते हैं। कांग्रेस ताकतवर होती है तो आंख दिखाने से गुरेज नहीं करती। इसीलिए समान सोच की क्षेत्रीय पार्टियां इंडिया गठबंधन में होने के बावजूद अपना मजबूत फ्रंट चाहती हैं ताकि कांग्रेस हावी न रहे। चुनाव के बाद भी बड़े बड़े फेरबदल हो जाते हैं। राजनीति में रातोरात समीकरण उलट पुलट हो जाते हैं। लेकिन यह तय है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे देश की भावी राजनीति का रूख मोड़ सकते हैं।

स्वस्थ लोगों के आधार पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है : दानिश अंसारी

लखनऊ,(संवाददाता)। यूनानी चिकित्सा पद्धति बहुत उपयोगी है, हमें अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ लोगों के आधार पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। ये बातें उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहीं. आज, वह ईशू और तकमीलुत्तिब्ब कॉलेज के सहयोग से आयोजित निःशुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर में शामिल हुए। हकीम सैयद मुहम्मद हस्सान नगरामी की याद में आयोजित यूनानी चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि यूपी सरकार लोगों को इलाज की यूनानी पद्धति के करीब लाने के लिए भी प्रयास कर रही है और वह भी इसमें भाग ले रहे हैं. अभी हम बरेली में युनानी मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं, इसके अलावा सरकार सभी जिलों में लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है. ईशू संस्था द्वारा यूनानी इलाज पद्धति को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।इस मौके पर ईदगाह के इमाम और ईशू के संरक्षक मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि आज इस कैंप से आसपास के लोगों को बड़ी संख्या में फायदा हुआ है. यूनानी इलाज पद्धति का मुख्य लाभ यह है कि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है और इलाज भी सस्ता होता है। ईशू के चेयरमैन सेवानिवृत्त आई. ए. एस. डॉ. अनीस अंसारी ने कहा कि इलाज की यूनानी पद्धति को जन—जन तक पहुंचाने की जरूरत है। इस संबंध में विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार को इस पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए. यूनानी चिकित्सा पद्धति बहुत पुरानी चिकित्सा पद्धति है, इस उपचार पद्धति से कई रोगों का इलाज सफलतापूर्वक किया जा रहा है। स्टेट तकमीलुत्तिब्ब कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य प्रो. नफासत अली अंसारी ने अर्क ए अजीब का परिचय देते हुए कहा कि अर्कध् ए अजीब वास्तव में अजीब है। कोरोना महामारी के दौरान भी इसका वितरण बड़ी संख्या में किया गया था. इसका उपयोग सर्दी, फ्लू, खांसी और अन्य बीमारियों में किया जाता है।

इस अवसर पर प्रोफेसर नफासत अली ने काली मिर्च, कलौंजी, दाल चीनी और मुलेठी को किचन मेडिसीन की दवा के रूप में पेश किया। ये चार मसाले हर घर की रसोई में मौजूद होते हैं। हम इनका उपयोग खाना पकाने में तो करते ही हैं लेकिन इनका उपयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है। प्रो. नफासत अली ने लोगों को चारों मसालों को अलग—अलग उपयोग करने के बारे में विस्तार से बताया। इंस्टिट्यूट फॉर सोशल हार्मोनी एंड अपलिफ्टमेंट के महासचिव मुहम्मद खालिद ने मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री दानिश आजाद अंसारी और अन्य अतिथियों का स्वागत किया और ईशू के लक्ष्य और उद्देश्यों और संगठन के तहत किए जा रहे कार्यों को प्रस्तुत किया।

इस मौके पर तकमीलुत्तिब्ब कॉलेज के डॉक्टरों का पैनल मौजूद रहा. कैम्प में विशेष रूप से में प्रोफेसर नफासत अली, पूर्व डायरेक्टर युनानी डॉक्टर सिकंदर हयात सिद्दिकी, डॉक्टर आफताब हाशमी, हकीम अख्तर सईद, डॉक्टर मुईद अहमद, सुहेल सिद्दिकी, पुर्व मंत्री मुईद अहमद, अरशद आजमी उपस्थित थे।

काशी-मथुरा में जलाभिषेक की तैयारी पूरी, हिन्दू महासभा ने पदाधिकारियों को बांटी जिम्मेदारी

लखनऊ,(संवाददाता)। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने आगामी छह दिसंबर को काशी विश्वनाथ मन्दिर और कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में होने जा रहे जलाभिषेक की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पार्टी के प्रदेश अध यक्ष ऋषि त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि जलाभिषेक कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार सिंह के द्वारा पूर्वांचल टिम का गठन हेतु पूर्वांचल अध्यक्ष श्रीकांत

पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, तथा सुबोध चौबे प्रदेश विशेष सलाहकार को नामित किया गया जो जल्द ही पूर्वांचल के जिला अध्यक्षों से मिलकर टीम गठित कर बनारस बाबा विश्वनाथ पर जलाअभिषेक की व्यवस्था को संभालेंगे। जबकि श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में मथुरा से जिला अध्यक्ष छाया गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा, प्रदेश मीडिया प्रभारी रजत शर्मा तथा आगरा से जिला अध्यक्ष सौरभ राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट आदि पदाधिकारी मिलकर मथुरा जन्मभूमि पर जलाभिषेक के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु व्यवस्था देखेंगे। पश्चिमांचल से प्रदेश मंत्री सौरभ सिंह राजावत अपनी टीम के साथ व्यवस्था को देखेंगे। प्रदेश महामंत्री सिद्धार्थ दुबे के द्वारा जलाभिषेक के कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, व जिलाधिकारी बनारस तथा जिलाधिकारी मथुरा को पत्र के माध्यम से अनुमति एवं व्यवस्था देने हेतु पत्र के माध्यम से निवेदन किया गया है। श्री त्रिवेदी ने बताया कि बबीता यादव महिला प्रदेश अध्यक्ष अपनी व अपने जिला अध्यक्ष की टीम की हजारों महिलाओं साथ जलाभिषेक करने का आवाहन किया। प्रदेश प्रवक्ता बाबा महादेव प्रदेश मंत्री राकेश दत्त मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष चंद्र मौली शुक्ला, प्रदेश मंत्री धर्मेंद्र पांडे, प्रचार मंत्री सुनील कुमार सिंह, प्रदेश मंत्री सुमन उपाध्याय आदि पदाधिकारी कमान संभालेंगे।

सनातन महासभा की 119वी मां गोमती महाआरती का आयोजन स्वामी त्रियंबक ने शिविर कार्यालय का उद्घाटन किया

लखनऊ,(संवाददाता)। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित 119वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती व सनातन समागम का आयोजन सोमवार को किया गया। मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ हरिद्वार की तर्ज पर 07 भव्य मंचो से पूज्य श्री आनंद नारायण जी महाराज, स्वामी कौशिक चौतन्य,,आचार्य त्रियंबक चौतन्य, स्वामी मुरारी दास, स्वामी कृष्ण मोहन, देवेंद्र शुक्ल के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख का खूब प्रयोग किया गया। अध्यक्ष डॉ प्रवीण ने बताया कि बच्चों द्वारा विभिन्न देवताओं के रूप में महाआरती का आयोजन भूषण अग्रवाल,, महर्षि कपूर, श्रुति गुप्ता,मंजू श्रीवास्तव के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम का आरंभ रिद्धि सिद्धि के दाता सुनो गणपति..., से हुआ। सभी बच्चो को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया और श्री गुरुनानक देव की जयंती पर उनको माल्यार्पण करके उनके जीवन पर विचार प्रस्तुत हुए। महाआरती का संयोजन कर रहे महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण व मुख्य सचिव देवेंद्र शुक्ल ने बताया कि महाआरती के बाद 1101 दीपो से घाट दिवाली की तरह जगमगा उठा और सभी ने वरिष्ठ समाजसेवी हिमांशु शेखर व आरती शुक्ला के नेतृत्व में मां गोमती की स्वच्छता व किनारों के अतिक्रमण को लेकर संकल्प दीपो से सभी भक्तों को कराया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्र ने किया और भक्तो को अपनी मिमिक्री से मनोज सारस्वत ने हँसते हँसाते धर्म का ज्ञान तमाम फिल्मी कलाकारों व राजनेताओ की आवाज में दिया। इस मौके पर सनातन शिरोमणि सम्मान से संत स्वामी त्रियंबक चौतन्य, स्वामी कौशिक चौतन्य, स्वामी कृष्णमोहन, एनआरआई भूषण अग्रवाल, शोभित सिंह, कमल कपूर, दीपक चौधरी मौजूद रहे। महाआरती के पूर्वअध्यक्ष डॉ0 प्रवीण व मुख्य सचिव देवेंद्र शुक्ल ने संयुक्त रूप से बताया कि सनातन महासभा

रमेश यादव, नवलेश प्रताप सिंह चौयरमेनध्सभापति,उद्यान, नीलू त्रिवेदी, अचिन मेहरोत्रा, सुधीर अग्रवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सीपी अवस्थी, रामकिशोर शुक्ल, ऋषि शर्मा, मनीष रस्तोगी, रवि कचरू, हिमांशु अवस्थी, देवेंद्र राय, केके राय, प्रदीप पांडेय, आरती शुक्ला, सुशील तिवारी, विनय कुमार, मनोज श्रीवास्तव,सीपी तिवारी, के प्रबंधन में 24 जनवरी से 03 फरवरी 2024 में आयोजित भव्य धर्म संसद व सनातन महोत्सव के तमाम आयामो को लेकर आज 4 बजे श्री नीम करौली बाबा आश्रम गोमती तट पर नियमित शिविर कार्यालय का उद्घाटन स्वामी त्रियंबक चौतन्य, स्वामी आनंद नारायण जी,,स्वामी कौशिक चौतन्य जी, स्वामी मुरारीदास जी के साथ राज्य सभा सांसद अशोक बाजपेयी, एमएलसी मुकेश शर्मा ने किया।

पराग के नए कैंपस में मंदिर हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

लखनऊ,(संवाददाता)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पराग के सुल्तानपुर रोड स्थित आधुनिक दुग्धशाला में मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। पराग के सुल्तानपुर रोड स्थित आधुनिक दुग्धशाला में अभी तक मंदिर नहीं था। जिसको दृष्टिगत रखते हुए शिखा सिंह तोमर व संचालक मंडल ने नए प्रांगण में कर्मचारी और अधिकारियों के सहयोग से मंदिर निर्माण का फैसला हाल ही मे संपन्न हुई प्रबंध समिति की बैठक में लिया था। सुबह विकास बालियान महाप्रबंधक की अगवाई में कर्मचारियों और अधिकारियों ने मिलकर नए कैंपस में मंदिर हेतु भूमि का पूजन किया। इस अवसर पर कारखाना प्रबंध ाक कमल किशोर, चंद्रभूषण पांडे, नवनीत सिंह विष्णु सिंह, प्रकाश तिवारी के साथ—साथ कर्मचारी अधिकारी काफी संख्या में उपस्थित थे।

अतीक की डीपी लगाकर डराया, जमीन पर किया कब्जा,शिकायत करने पर दबंगों ने दी जान से मारने की धमकी

अलीगढ़,(संवाददाता)। जिले के अतरौली थाना क्षेत्र में डॉन अतीक अहमद का डर दिखाकर दबंगों ने एक कारोबारी की 2 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया। इतना ही नहीं आरोपियों ने जमीन मालिक को जान से मारने की धमकी भी दे डाली। आरोपी अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर माफिया अतीक की डीपी लगाकर सबको डराता था। जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायत की और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश शुरू कर दी है। पुलिस ने पीड़ित को विश्वास दिलाया है कि उसकी जान और माल को किसी तरह का खतरा नहीं होने दिया जाएगा।

अलीगढ़ के छर्रा इलाके के रहने वाले हर्षित गुप्ता का हार्डवेयर का विजनेस है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों वह अतरौली में अपनी पैतृक संपत्ति को देखने गए थे। तब उन्हें पता चला कि कुछ अराजक तत्व जो खुद को अतीक अहमद के गैंग का बताते हैं। उन्होंने उनकी जमीन पर

कब्जा करना शुरू कर दिया था। आरोपी उनकी जमीन पर बालू और रेत गिरवा रहे थे।

जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्होंने उन्हें धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने खुद को अतीक अहमद का करीबी बताया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी अतीक को अपना आदर्श मानता है और मोबाइल ओर सोशल मीडिया पर उसकी डीपी लगाकर रखता है। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इस मामले की शिकायत की है और मुकदमा दर्ज कराया है। माफिया डॉन अतीक अहमद की रिश्तेदारी अलीगढ़ के अतरौली में भी है। अतरौली में अतीक की एक बहन ब्याही हुई है और यहां भी उसका आना जाना रहता था। जिसके चलते गांव के लड़के अतीक को अपना आदर्श मानते थे और उस जैसा ही बनना चाहते हैं।

अब पुलिस सारे मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों ने अपने मोबाइल पर माफिया अतीक की फोटो डीपी में लगा रखी है। आरोपी उसे अपना गुरु और आदर्श बताते थे। लोगों को यही दिखाकर ध मकाते भी थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो आरोपियों की सोशल मीडिया एकाउंट पर अतीक अहमद की फोटो नजर आई। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 7 आरोपियों, अरमान खान, फुरखान खान, सुल्तान खान, नादिर गाजी,अहमद खान, हारुन खान और जाहिद खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मुकदमा दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इसमें से अरमान खान, फुरखान खान, सुल्तान खान तीनों भाई हैं। अरमान खान सबसे बड़ा है। वह कोई काम नहीं करता है। सीओ अतरौली मोहसिन खान ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने के साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया गया है। इसके साथ ही राजस्व विभाग से भी संपर्क किया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बुजुर्ग की हत्या करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार,एक आरोपी की तलाश में दबिश जारी

अलीगढ़,(संवाददाता)। जिले के सुरेंद्र नगर में बुजुर्ग की हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 6 टीमें लगी थी, जिन्होंने 18 घंटे के अंदर आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के आधार पर देत रात तक दबिश चलती रही और पुलिस ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि बुजुर्ग अपने भतीजे का पता नहीं बता रहा था, इसलिए खुन्नस निकालने के लिए उन्होंने बुजुर्ग पर गोली चला दी। इसके बाद वहां से फरार हो गए। क्वार्सी थाना क्षेत्र के सुरेंद्र नगर निवासी अशोक गुप्ता को शनिवार को बाइकर्स ने शनिवार देर शाम गोली मार दी थी।

उनके भतीजे का बाइकर्स से विवाद हुआ था। भतीजे ने तेज गाड़ी चलाने और लगातार हार्न बजाने से बाइकर्स को रोका था। जिसके बाद आरोपियों ने खुन्नस निकालने के लिए बुजुर्ग दुकानदार के पेट में गोली मार दी

थी। जिसके बाद परिजनों ने पहले बुजुर्ग को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, इसके बाद उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया था। शनिवार देर रात इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में बुजर्ग दुकानदार की मौत हो गई थी।

इसके बाद परिजनों ने रविवार को कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया था और शव लेकर जीटी रोड भी जाम कर दिया था। पुलिस ने बुजुर्ग दुकानदार की हत्या के मामले में गांध ीपार्क थाना क्षेत्र के विकास लोक कालोनी निवासी 18 वर्षीय लखन पुत्र अवधेश पाठक, मूल निवासी हबीबपुर थाना छर्रा, विकास लोक कालोनी निवासी ऐश्वर्य उर्फ शौर्य पुत्र अरविंद चौहान (18) और गांधीपार्क थाना क्षेत्र के सुरेंद्रनगर गांधीनगर निवासी सूरज सैनी पुत्र कृष्ण गोपाल को गिरफ्तार कर लिया है।

इन्हें सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। घटना के खुलासे के लिए एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सीओ थर्ड, सीओ गभाना, इंस्पेक्टर क्वार्सी, स्वॉट व सर्विलांस टीम, क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग नगर और फील्ड यूनिट के नेतृत्व में 6 टीमें लगाई थी। इन टीमों ने 18 घंटे में घटना का खुलासा कर दिया और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि मृतक के भतीजे से उनकी बहस हुई थी। आरोपी आयुष अपनी बुलट मोटरसाईकिल से और आयुष का दोस्त सिद्धार्थ अलग मोटर साइकिल से सुरेन्द्रनगर होकर जा रहे थे। मृतक की दुकान के सामने पहुंचे, तो वहाँ पर मृतक का भतीजा खड़ा था।

आयुष ने अपनी मोटरसाईकिल का हॉर्न बजाया जिस पर मृतक के भतीजे द्वारा हॉर्न बजाने पर आपत्ति की। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। जिसके बाद आयुष अपने दोस्त सिद्धार्थ, लखन व ऐश्वर्य उर्फ शौर्य को लेकर पहुँचा तथा मृतक के भतीजे की तलाश की जो नहीं मिला, तो आरोपी सिद्धार्थ ने मृतक से उसके भतीजे के बारे में पूछा, जवाब नहीं मिलने पर तमंचे से गोली मार दी।

बुजुर्ग की हत्या करने के मामले में चौथे आरोपी सिद्धार्थ की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सिद्धार्थ की तलाश में लगातार पुलिस दबिश दे रही है।

एसएसपी ने खुलासा करने वाली टीम के लिए 25000 पुरस्कार की घोषणा भी की है। एसएसपी कलानिधि ने बताया कि चौथे आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होगा और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एएमयू मल्लापुरम केंद्र में एनएसएस इकाई का उद्घाटन

अलीगढ़,(संवाददाता)। पेरिंथलमन्ना, केरल के विधान सभा सदस्य, श्री नजीब कथापुरम ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मल्लापुरम केंद्र में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की एक इकाई का एनएसएस ध्वज फहराकर उद्घाटन किया। केरल राज्य एनएसएस कार्यालय द्वारा वित्त पोषित एनएसएस इकाई में पहले वर्ष में 50 स्वयंसेवकों को शामिल किया गया है और आने वाले वर्ष में अन्य 50 स्वयंसेवकों को शामिल किया जाएगा। श्री कथापुरम ने छात्रों के बीच बहुलवादी संस्कृति को विकसित करने में समाज सेवा के महत्व और एनएसएस की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि मानद अतिथि, एलमकुलम पंचायत के अध्यक्ष श्री सी सुकुमारन ने एनएसएस गतिविधियों में पंचायत की ओर से सभी समर्थन का आश्वासन दिया। मल्लापुरम नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के जिला युवा अधिकारी, श्री उन्नीकृष्णन डी ने एनएसएस को उसकी सामुदायिक सेवाओं में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व, केंद्र के निदेशक और एनएसएस सेल के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. फैसल केपी ने मेहमानों का स्वागत किया, जबकि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राघुल वी राजन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर केरल सरकार के उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीतने वाले एनएसएस स्वयंसेवकों निहाल मुहम्मद और अफिना एसएस को सम्मानित किया गया। मोहम्मद अहाजम खान, सहायक रजिस्ट्रार, ने अभिनंदन भाषण दिया।बाद में, एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. सी. आर. अजित सेन, कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस सेल, आईएचआरडी, केरल सरकार, संसाधन व्यक्ति थे।

दोहा में सर सैयद दिवस आयोजित

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एलुमनी एसोसिएशन कतर (एएमयूएएक्यू) ने सर सैयद दिवस मनाया। हयात रीजेंसी ऑरिक्स दोहा के जेड बॉलरूम में आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय दूतावास के तत्वावध ाान और सहयोग से आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक परोपकारी मंच (आईसीबीएफ) कतर में भारत के राजदूत, महामहिम श्री विपुल इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि महामहिम श्री विपुल ने 206वें सर सैयद दिवस कार्यक्रम पर एएमयूएएक्यू को बधाई दी और भारत के धार्मिक सद्भाव और धर्मनिरपेक्ष लोकाचार को दर्शाते हुए दुनिया भर में एएमयू के पूर्व छात्रों की की प्रशंसा की। मुख्य वक्ता, जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रिंसिपल और एएमयू पूर्व छात्र मामलों की समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर मिर्जा मोहम्मद सुफियान बेग ने 'सर सैयद अहमद खानः शांति, प्रगति और सद्भाव के मसीहा' विषय पर बात की। उन्होंने एकता, शिक्षा और वैज्ञानिक स्वभाव के लिए सर सैयद के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह मनाया गया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के इंटरडिसिप्लिनरी बायोटेक्नोलॉजी यूनिट द्वारा नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में डीबीटी–बायोइंफॉर्मेटिक्स सेंटर, नेशनल नेटवर्क प्रोजेक्ट (एनएनपी) के तहत एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। डीबीटी–बीआईसी एनएनपी के समन्वयक प्रोफेसर असद यू खान ने डॉक्टरों द्वारा बताए गए नुस्खे के महत्व पर जोर दिया और लोगों से ओवर–द–काउंटर दवाओं के उपयोग से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध के कारण अब तक 10 मिलियन से अधिक मौतें हो चुकी हैं और कुछ वर्षों में 24 मिलियन लोग इसके कारण गरीबी रेखा से नीचे चले जाएंगे। नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर फरहा आजमी ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के तरीकों का उल्लेख किया और नर्सिंग छात्रों से एंटीबायोटिक दवाओं के न्यूनतम उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। बीएससी नर्सिंग की छात्रा, फातिमा राशिद ने कहा कि नाटक का उद्देश्य लोगों को दवाओं के दुरुपयोग के परिणामों और दवा प्रतिरोध के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना है।

कैंसर की दवा की खोज पर विश्वविद्यालय विस्तार व्याख्यान आयोजित

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेएन मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा प्रोफेसर एम.ए. अकबरशा, बायोमेडिकल वैज्ञानिक और अनुसंधान समन्वयक, नेशनल कॉलेज (स्वायत्ता प्राप्त), तिरुचिरापल्ली द्वारा 'रिवर्स फार्माकोलॉजी को अपनाते हुए भारतीय पारंपरिक दवाओं से कैंसर के लिए दवा की खोज' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। उन्होंने भारतीय दवाओं की प्रभावकारिता और सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक प्रमाण तैयार करने और कैंसर के लिए भारतीय दवाओं से कुछ दवा अणुओं की खोज, विशेष रूप से कैंसर के लिए एक सिद्ध दवा, रस गेंथी मेझुगु की प्रभावकारिता और सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक प्रमाण पर अपने शोध कार्य को साझा किया। उन्होंने प्रोस्टेट, फेफड़े और स्तन कैंसर सेल लाइनों का उपयोग करके अपने प्रयोगात्मक अध्ययनों को भी साझा किया और बताया कि कैसे उन्होंने उरुशीओल्स को छाती कैंसर के इलाज के लिए सिद्ध हर्बल दवा, सेमेकार्पस लेहियम के प्रमुख सक्रिय सिद्धांत के रूप में एंटीट्यूमर एजेंट के रूप में पहचान की।इससे पूर्व, फार्माकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद जियाउर रहमान ने अतिथी का परिचय दिया और विश्वविद्यालय विस्तार व्याख्यान के समन्वयक प्रोफेसर निसार अहमद खान का आभार जताया।डॉ. इरफान ए. खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हर्षोल्लास से मनाया गया साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश उत्सव

लखनऊ(संवाददाता)। आज जगत गुरु साहिब श्री गुरू नानक देव जी महाराज का प्रकाश उत्सव (जन्मोत्सव) ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी नाका हिंडोला की ओर से डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज ऐशबाग रोड, लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री अखण्ड पाठ साहिब जी की समाप्ति के पश्चात् पाँच प्यारों की अगुवाई में समूह साध संगत द्वारा श्री गुरूग्रन्थ साहिब जी की शाही सवारी को शबद कीर्तन गायन करते हुए गुरूद्वारा साहिब से नाका हिण्डोला होते हुए डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज ऐशबाग रोड में सजे पंडाल में ले जाया गया। फूलों से सुसज्जित भव्य पंडाल एवं भव्य स्टेज पर श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी का प्रकाश किया गया। रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी द्वारा पवित्र आसा की वार के अमृतमयी कीर्तन से कार्यक्रम आरम्भ हुआ। बहुत सुबह से ही लखनऊ एवं आस–पास के इलाकों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज में पहुँचने लगे तथा पक्तियों में खडे होकर श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी के दर्शन के पश्चात अपना स्थान ग्रहण कर गुरूबाणी का रसपान किया। आकाशवाणी लखनऊ केन्द्र द्वारा आधे घन्टे का सीधा प्रसारण करके प्रदेश भर की संगतों को कार्यक्रम का रसास्वादन कराया गया। श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा ने इस अवसर पर उपस्थित संगतों को प्रकाश पर्व की बधाई दी तथा बधाई संदेश आकाशवाणी लखनऊ द्वारा भी प्रसारित किया गया। विशेष रूप से पध ाारे भाई जसबीर सिंह जी खालसा यू0 के0 वालों ने अपनी मधुरवाणी में ष्कलि तारण गुरु नानक आइया।ष् शबद कीर्तन गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। प्रचारक सुखदेव सिंह जी अमृतसर वालों ने साहिब श्री गुरू नानक देव जी के जीवन पर दिल को छू देने वाले विचार व्यक्त किये। रागी जत्था भाई सुरजीत सिंह जी हजूरी रागी गुरुद्वारा छोटे साहिब जादे दिल्ली वालों ने गुर का शबद ष्सतिगुर नानक प्रगटिआ मिटी धुंध ा जगि चानणु होआ।ष् शबद कीर्तन गायन कर संगतों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। सिमरन साधना परिवार के बच्चों एवं माता गुजरी सत्संग सभा,लखनऊ की सदस्याओं ने भी इस कार्यक्रम में शबद कीर्तन गायन किया। डी0 ए0 वी0 इण्टर कालेज में दिन भर गुरबाणी कीर्तन तथा गुरमत विचारों का कार्यक्रम चला जिसका संचालन स0 सतपाल सिंह मीत ने किया। समागम में लंगर के वितरण की सेवा सिख यंग मेन्स एसोसियेशन एवं दशमेश सेवा सोसाइटी द्वारा की गयी। कई स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संगत की सेवा आइसक्रीम, चाय काफी, ब्रेड, छोले, जलेबी, कड़ी चावल, गन्ने के रस की खीर आदि अनेक तरह के व्यंजनों के स्टाल लगाकर की गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम के देखरेख स0 तरनजीत सिंह मक्कड़ उपाध्यक्ष एवं स0 हरमिन्दर सिंह टीटू महामंत्री ने की। लंगर पकवाने एवं वितरण

की व्यवस्था तजिन्दर सिंह एवं कुलदीप सिंह सलूजा की इंदरजीत सिंह देखरेख में हुई। दिन के 12:00 बजे से गुरू का लंगर संगत में वितरित किया गया,जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। अरदास के उपरान्त उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा ने सभी सिख संगठनों,जत्थेबन्दियों सिख सेवक जत्था पंजाबी यूथ एसोसियेशन एवं प्रशासन को गुरू जी की कृपा ''सिरोपा तथा स्मृति चिन्ह'' भेंट कर सम्मानित किया। गुरु श्री हरिराय जी डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा मेडिकल कैंप एवं रक्तदान शिविर मनमीत सिंह बंटी की देख रेख में लगाया गया जिसमें कई लोगों ने अपना रक्तदान किया।

उप मुख्यमंत्री ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

किसी को नही होना पड़ेगा निराश : केशव

लखनऊ,(संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7– कालिदास पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी

समस्याओं के त्वरित गति से निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया। उन्होने जन सुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनता दर्शन में बुजुर्ग, महिलाएं, पुरूष एवं दिव्यांग सहित सैकड़ों लोगों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्यायें बतायी। बतायी गयी समस्याओं में मुख्य रूप से विद्युत, मार्ग चौड़ीकरण सड़क निर्माण, आवास दिलाने, अवैध ा कब्जा, कानून व्यवस्था, रास्ता खुलवाने, विकास कार्य, मारपीट, राजस्व ,अतिक्रमण, जमीनी विवाद, चिकित्सा सहायता आदि थीं। उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आये तमाम लोगों के पास स्वयं जाकर उनकी समस्याएं सुनीं एवं प्रार्थना पत्र भी लिये। कई लोगों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने शासन के उच्चाधिकारियों, जिलाधि ाकारियो व पुलिस अधीक्षको सहित कई अधिकारियों से दूरभाष पर भी वार्ता की। उप मुख्यमंत्री ने फरियादियों को विश्वास दिलाया कि किसी को निराश नहीं होना पड़ेगा, सबकी समस्याओं का समुचित समाधान कराया जायेगा।

ट्रेन से ससुर दामाद व नाती कटे

बस्ती(संवाददाता)। जिले में एक ही परिवार के 4 लोग एक साथ रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इसी बीच मालगाड़ी की चपेट में आकर 3 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक पांच साल का मासूम बच्चा, उसका पिता और नाना शामिल है। दुर्घटना में महिला बाल–बाल बच गई। अपने बेटे के शव के पास बैठकर वह कहती रही कि कोई मेरे बेटे को पानी पिला दो। हादसा रविवार देर शाम टिनिच गौर रेलवे स्टेशन के पास का है। तीन लोगों के कटने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस और रेलवे के अधिकारी भी जा पहुंचे। मृतकों की पहचान झारखंड के रांची के पलिया गांव निवासी ससुर मुन्नी लाल (45), दामाद सुनील (30) और सुनील के बेटे पिंटू (5) के रूप में हुई है। पुलिस की मानें तो रविवार की रात गौर से बस्ती की तरफ डाउन मालगाड़ी जा रही थी। कैथोलिया गांव के सामने 584ध14 संख्या पोल के पास ट्रैक पार करते समय तीनों ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की ठोकर लगने से तीनों की मौत हो गई। जबकि इन्हीं के साथ जा रही एक महिला आरती सुरक्षित बच गई है। मालगाड़ी के चालक ने स्थानीय स्टेशन को हादसे की जानकारी दी। शव के पास से झोले में कपड़े और शराब मिली है। माना जा रहा है कि ये लोग नशे में ट्रैक को पार कर रहे थे, जिसके चलते ट्रेन की चपेट में आ गए। मुन्नी लाल और सुनील ईंट भट्ठे में काम करते थे। पिंटू मुन्नी लाल का पुत्र है। पुलिस के मुताबिक, महिला का नाम आरती बताया जा रहा है। जो खुद को झारखंड का निवासी बता रही है। वह अपनों की मृत्यु के बाद वह सदमे में है। बार–बार बेटे को पानी पिलाने की बात कर रही थी। बोल रही थी कोई मेरे बाबू को पानी पिला दो। पूछताछ में मृतकों को अपना पति, पिता व बेटा बता रही थी। बोल रही थी कि बाबू हमार बजार जाने के लिए निकले थे। महिला की बातें सुन हर किसी की आंखें नम हो गई।

आम सूचना

मैं अधोहस्ताक्षरी अपने पक्षकार सेवा गृह ऋण लि० की ओर से सूचना देता हूँ कि श्रीमती सांबरा बेगम पत्नी श्री नाबाबुद्दीन ने एक मकान रकबा 40 वर्ग गज जुज् भाग खसरा न० 170ध्2 स्थित अलहदादपुर नीबरी, परगना व तहसील कोल, जनपद अलीगढ़ को बंधक रखने का आवेदन किया है।

उक्त मकान प्रार्थिनी द्वारा बैनामा दिनांकित 03–09–2015 जो कि प्रार्थिनी के पक्ष में श्री नाबाबुद्दीन पुत्र श्री सरदारी खान ने निष्पादित किया था तथा जिसका इंदराज उप निबंधक कार्यालय में बही न0 1 जिल्द न0 7765 के प्रष्ठ 305 से 322 में क्रमांक 8866 दिनांकित 03–09–2015 में दर्ज है।

यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त बैनामे को प्रार्थिनी द्वारा बंध ाक रखने में कोई आपत्ति है तो 7 दिन के अन्दर मुझ अधिवक्ता को सूचित करे द्य नोटिस प्रकाशित होने के 7 दिन के उपरांत मेरा पक्षकार यह उपध ाारण करेगा कि प्रस्तावित बंधक सभी बंधन व भार से मुक्त है।

–सुधीर कुमार गुप्ता
एडवोकेट
सेवा गृह ऋण लि० अलीगढ
मो० न०–9045719682??

आम सूचना

मैं अधोहस्ताक्षरी अपने पक्षकार सेवा गृह ऋण लि० की ओर से सूचना देता हूँ कि श्रीमती अफसाना बेगम पत्नी श्री असलम अली ने प्लॉट रकबा 101.25 वर्ग गज जुज भाग खसरा न० 404 स्थित रामगढ़ पजुपुर, परगना व तहसील कोल, जनपद अलीगढ़ को बंधक रखने का आवेदन किया है।

उक्त प्लॉट से संबंधित एक नोटरी द्वारा प्रमाणित मुखतारे आम दिनांकित 12–04– 2003 जो कि श्री भगवान सिंह पुत्र श्री मुंशी लाल ने श्री मसूद खान पुत्र श्री नासिमुल कदर के हक में निष्पादित किया था लेकिन प्रार्थी के पास उक्त मुखतारे आम कि छाया प्रति भी उपलब्ध नहीं है।

यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त प्लॉट को बंधक रखने और प्रार्थी के उक्त प्लॉट पर लोन लेने पर किसी भी प्रकार कि कोई आपति है तो 7 दिन के अन्दर मुझ अधिवक्ता को सूचित करे द्य नोटिस प्रकाशित होने के 11 दिन के उपरात मेरा पक्षकार यह उपधारण करेगा कि प्रस्तावित बंधक सभी बंधन व भार से मुक्त है।

–सुधीर कुमार गुप्ता
एडवोकेट
सेवा गृह ऋण लि० अलीगढ़
मो० न०– 9045719682

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र **जन नायक सम्राट** के लिये जिला ब्यूरो चीफ, मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें–
अमित कुमार वर्मा
सम्पादक
मो. 8218049162, 8273402499

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।